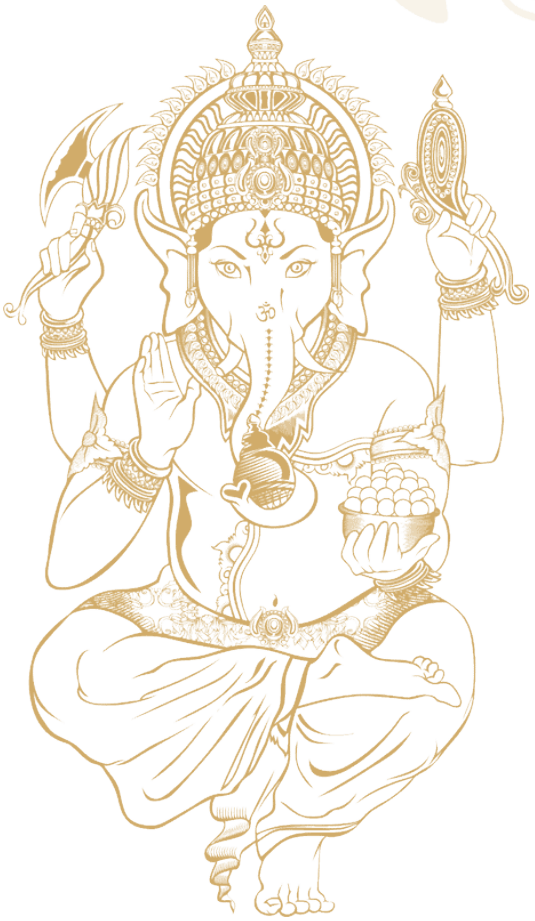

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/07/1999	जन्म तिथि	20/12/2004
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 16:10:00	जन्म समय	08:28:00 घंटे
घटी 26:27:33	जन्म समय(घटी)	03:16:13 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:58	सूर्योदय	07:09:30
19:19:24	सूर्यास्त	17:28:20
23:50:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:27

विंशोत्तरी चन्द्र 1वर्ष 0मा 1दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 10वर्ष 4मा 6दि	
गुरु		18:40:23	वृश्चि	लग्न	धनु	22:24:28	शुक्र	
20/07/2025		02:29:28	कर्क	सूर्य	धनु	04:38:42	27/04/2022	
20/07/2041		21:59:45	कन्या	चंद्र	मीन	21:52:53	27/04/2042	
गुरु	07/09/2027	11:38:05	तुला	मंगल	वृश्चि	02:16:55	शुक्र	27/08/2025
शनि	20/03/2030	14:01:05	कर्क व	बुध व	वृश्चि	16:31:46	सूर्य	27/08/2026
बुध	25/06/2032	09:01:01	मेष	गुरु	कन्या	22:03:35	चन्द्र	27/04/2028
केतु	01/06/2033	09:15:19	सिंह	शुक्र	वृश्चि	10:19:49	मंगल	27/06/2029
शुक्र	31/01/2036	21:51:22	मेष	शनि व	कर्क	01:52:55	राहु	27/06/2032
सूर्य	18/11/2036	19:14:06	कर्क	राहु	मेष	06:34:04	गुरु	26/02/2035
चन्द्र	20/03/2038	19:14:06	मक	केतु	तुला	06:34:04	शनि	27/04/2038
मंगल	24/02/2039	21:43:13	मक व	हर्ष	कुंभ	09:33:56	बुध	25/02/2041
राहु	20/07/2041	09:18:58	मक व	नेप	मक	19:33:13	केतु	27/04/2042
		14:08:13	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	28:21:36		

लग्न-चलित

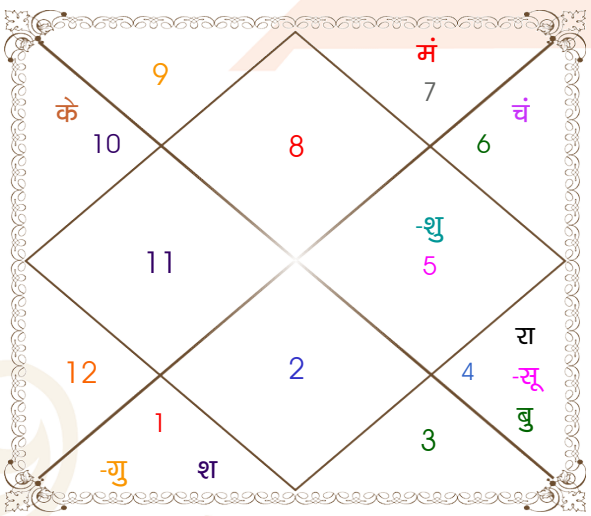

लग्न-चलित

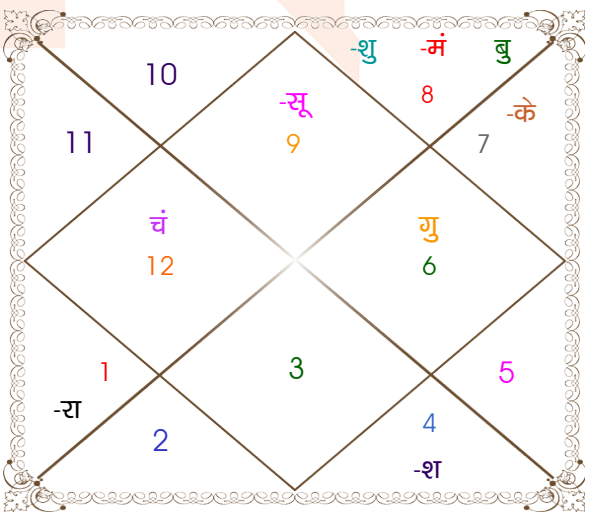

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।

विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।